

This question paper contains 3 printed pages]

Roll No.

--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--	--

S. No. of Question Paper : 6189

Unique Paper Code : 210504

G

Name of the Paper : Philosophy of Language

Name of the Course : B.A. (Hons.) Philosophy

Semester : V

Duration : 3 Hours

Maximum Marks : 75

(Write your Roll No. on the top immediately on receipt of this question paper.)

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।)

Note : — Answers may be written *either* in English *or* in Hindi; but the same medium should be used throughout the paper.

टिप्पणी :— इस प्रश्न-पत्र का उत्तर अंग्रेजी या हिंदी किसी एक भाषा में दीजिए परन्तु सभी उत्तरों का माध्यम एक ही होना चाहिए।

Attempt any *five* questions.

All questions carry equal marks.

किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर दीजिये।

सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

1. Explain the distinction between locutionary, illocutionary and perlocutionary acts, according to Austin.

ऑस्टिन के अनुसार लोक्युशनरी, इल्लोक्युशनरी एवं परलोक्युशनरी कर्मों में भेद की व्याख्या कीजिए।

P.T.O.

2. "To say something is to do something and even by saying something we do something."

Elucidate.

"कुछ कहना कुछ करना है, और कुछ कहते हुए भी हम कुछ करते हैं।" व्याख्या कीजिए।

3. Explain the different ways in which a performative statement could be infelicitous.

उन विभिन्न तरीकों की व्याख्या कीजिए जिनमें निष्पादात्म्य तर्कवाक्य असंगत हो सकते हैं।

4. Are proper names meaningful or are they meaningless marks ? What are the difficulties with each of these views and how does Searle seek to solve these with his theory about proper names ? Discuss.

पद नामों का क्या कोई अर्थ होता है या ये अर्थहीन चिह्न हैं ? इन दोनों मतों के साथ क्या कठिनाइयाँ सामने आती हैं और सर्ल किस प्रकार अपने सिद्धान्त द्वारा पद नामों के संबंध में इन कठिनाइयों का हल करने का प्रयत्न करता है ? विवेचन कीजिए।

5. What are the difficulties of deriving a value statement from a descriptive statement ? Discuss with reference of Searle's treatment of Naturalistic Fallacy.

वर्णनात्मक कथन से मूल्यवादी कथन व्युत्पन्न करने में क्या कठिनाइयाँ सामने आती हैं ? सर्ल द्वारा की गई प्रकृतिवादी दोष की व्याख्या के संदर्भ में विवेचन कीजिए।

6. Distinguish between Austin and Searle's classification of kinds of illocutionary forces. In Searle's view what function does the propositional act of referring serve in the illocutionary act.

ऑस्टिन और सर्ल द्वारा किए गए वक्तृत्वता बलों की किस्मों के वर्गीकरण में अन्तर बताइए। सर्ल के मतानुसार वक्तृत्व संबंधी कर्म में प्रसंग की प्रतिज्ञप्ति के कार्य का क्या महत्व है ?

7. How does Searle refute Russell's theory of definite descriptions ? Do you find it conclusive ? Discuss.

सर्ल किस प्रकार रसेल के निश्चित वर्णन के सिद्धान्त का खंडन करते हैं ? क्या आप इसे निर्णयात्मक मानते हैं ? विवेचन कीजिए।

8. Is it correct to say that an illocutionary act is the most fundamental concept in semantics ? Discuss with reference to Austin.

क्या कहना सही है कि वक्तृत्वगत कार्य शब्दार्थ विज्ञान में अत्यधिक आधारभूत संकल्पना है ? ऑस्टिन के संदर्भ में विवेचन कीजिए।